राज कॉमिक्स

मूल्य 6.00 संख्या 397

भूकाल

जब-जब भोकाल की तलवार उठी,
तब-तब उठा एक जलजला और जब
यह तलवार खो गई तब...
अतिक्रूर, शूतान, वेणु, पीकू,
तुरीन व तिल्ली को साथ लेकर लड़ी भोकाल
की एक शानदार जंग का एक शानदार

राज कॉमिक्स विशेषांक

भोकाल की तलवार

इस विशेषांक के साथ भोकाल का एक मेग्नेट स्टीकर मुफ्त

मूल्य 15/-

इसी सैट के कॉमिक्स

- **पागल कातिलों की टोली** (सुपर कमांडो ध्रुव)
  इस कॉमिक्स के साथ सुपर कमांडो ध्रुव का एक स्टीकर मुफ्त
- **कर्फ्यू** (डोगा)
  इस कॉमिक्स के साथ डोगा का एक स्टीकर मुफ्त
- **बांकेलाल और नरभक्षी लुटेरा** (बांकेलाल)
  इस कॉमिक्स के साथ बांकेलाल का एक आकर्षक स्टीकर मुफ्त।
- **दहशत** (थ्रिल हॉरर सस्पेंस)
- **शुक्राल** (शुक्राल)
- **तिलिस्म का कैदी**

इस सेट की प्रत्येक कॉमिक्स का मूल्य छः रुपये है।

आगामी सैट के कॉमिक्स

- **गोजो** (गोजो का विशेषांक)
  इस विशेषांक के साथ गोजो का मैग्नेट स्टीकर मुफ्त
- **ये है डोगा** (डोगा)
  इस कॉमिक्स के साथ डोगा का एक आकर्षक स्टीकर मुफ्त
- **बारूद** (परमाणु)
- **तिलिस्मदेव और दरिन्दों की बस्ती** (तिलिस्मदेव)
- **भयानक** (थ्रिल हॉरर सस्पेंस)
- **सोने की मूर्ति**

© सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन
प्रकाशक : **राजा पॉकेट बुक्स**
330/1, बुराड़ी, दिल्ली-110009

दिल्ली में एकमात्र वितरक :
नागराज नावल्टीज 313, दरीबा कलां, दिल्ली-6

शुक्राल

सम्पादन: मनीष गुप्ता
चित्रांकन: भारत मकवाना
लेखन: टी. आर. सिप्पी
सुलेखन: रुक्मिणी मकवाना

सेन्ट्रल जेल पर छाए रात के सन्नाटे में अचानक गोलियों की आवाजों ने तहलका मचा दिया।

शुक्राल! तुम जेल से भाग नहीं सकते। रुक जाओ।

Super Video Library
B-67, Mayur Vihar Park
Shahdara, Delhi-32
A RATED RKO SCAN...

सेन्ट्रल जेल

www.rkoscans.co.nr

तभी सामने से एक आवाज गूंजी-

शुक्राल! तुम अगर जरा भी हिले तो तुम्हारे शरीर को गोलियों से छलनी कर देंगे।

??

उसी पल शेर की भांति दहाड़ा शुक्राल।

अब मुझे तुम लोग दोबारा कैद नहीं कर सकते।

आह!

धाड़

धाड़

ओह!

गार्ड अन्य गार्डों को साथ लेता हुआ दीवार से नीचे गिरा।

आह ss

नहीं ss

नीचे खाई में खूंखार मगरमच्छ अपना जबड़ा फाड़े उनका स्वागत कर रहे थे।

ऊपर यह देख-

फायर!

धांय

धांय

धांय

WWW.RKOSCANS.CO.NR

कुशल नट की भांति शुक्राल कलाबाजियां खाता गोलियों को चकमा दे गया।

इस तरह तो ये मुझे गोलियों से भून कर रख देंगे।

गोलियों की बाढ़ रुक गई।

मैं आत्मसमर्पण कर रहा हूं इंस्पेक्टर! गोली मत चलाना!

आखिर तुम मान ही गए कि इस जेल से भागना मुश्किल है!

हां, इंस्पेक्टर! इस जेल से भागना मुश्किल जरूर है,...

... पर असंभव नहीं!

गार्डस कुछ समझ पाते उससे पहले ही...

आहईSSS

?

A RATED RKO SCAN

…शुक्राल के हाथ में थमी बेल्ट कहर ढाने लगी।

नड़ाक

आह

आह!

नड़ाक

आऽऽह

सदियों से मुझसे मगरमच्छ कानून के रक्षकों का भक्षण कर रहे थे।

बचाओ!

आह!

और उनका अन्नदाता शुक्राल।

अब पुलिस मेरी परछाईं भी न पा सकेगी।

WWW.RKOSCANS.CO.NR

धप्प

धक धक धक

ओह... शायद गाइड्स इधर ही आ रहे हैं।

तभी उसके शरीर से दो नालें सट गईं।

हैंड्स अप!

जरा भी चालाक बनने की कोशिश की तो भेजा उड़ा देंगे तेरा।

??

अचानक चमत्कार सा हुआ –

फटाक

ओह! धुएं का बम!

बम से निकली तीव्र बेहोशी की गैस ने तीनों को होश खोने पर मजबूर कर दिया।

ओह!

जब शुक्राल को होश आया...

कौन हो तुम?

मुझे प्रोफेसर राणा कहते हैं

A RATED RKO SCAN

WWW.RKOSCANS.CO.NR

मैं तुम्हें उन गार्डों से बचा कर लाया हूं, मुझे मेरे कम्प्यूटर ने गणना करके पहले ही बता दिया था कि तुम आज जेल से फरार होने वाले हो।

विस्फोट सा हुआ शुक्राल के दिमाग में।

क्या कम्प्यूटर ने?

हां, यही तो कमाल है उसका कि वह किसी भी व्यक्ति के कई जन्मों की कहानी खोल कर रख देता है।

यह कंकाल देख रहे हो, यह हमें कोलार की हीरे की खानों में मिला था... मैंने कम्प्यूटर द्वारा इसके पिछले जीवन का इतिहास जाना...

बिजली सी गिरी शुक्राल पर -

शुक्राल यानि मैं?

...और पाया कि यह कंकाल अपने युग के महान योद्धा, श्रेष्ठ वीर, बलिदानी पुरुष का था...और उसका नाम था... शुक्राल!

RAJ COMICS
A RATED RKOSCAN
www.rkoscans.co.nr

हां शुक्राल! तुम ही वह महान आत्मा हो जो अपने हर जन्म में मानवता और समाज के शत्रुओं के खिलाफ जंग का ऐलान करता रहा।

Payel Video Library
B-67, Mansarover Park
Shahdara Delhi 32

तुम अपनी गप्पों से मुझे बरगला कर समय खराब कर रहे हो प्रोफेसर... क्योंकि दो-चार दिन बाद ही सरकार मेरे सिर पर एक लाख का इनाम रख देगी... और तुम मुझे पकड़वा कर आसानी से इनाम के हकदार बन जाओगे।

मैं जानता था शुक्राल कि तुम उसे गप्प समझोगे, पर यकीन करो तुम्हारे शरीर में आज भी वही महान आत्मा है। जिसके शौर्यबल से एक दिन सारा संसार चकाचौंध हो उठेगा... पर इसके लिए तुम्हें अपने पिछले पूर्वजन्म के बारे में जानना होगा। फिर तुम्हें अहसास होगा कि तुम क्या थे...

बकते जाओ!

सिकन्दर को तो तुम जानते ही हो। यूनान के उस महान विजेता को भी तुम्हारी वीरता के आगे घुटने टेकने पड़े थे।...

सिकन्दर विश्वविजय की पताका फहराता जब स्माग्दिया पहुंचा तो उसकी सेना के स्माग्दिया के सिर्फ एक योद्धा ने धक्के खुड़ा दिये...

आक्रमण!

...और वह योद्धा था शुक्राल!

यानि मैं?

A RATED RKO SCAN

शुक्राल के प्रहार सिकन्दर के सैनिकों को यमलोक भेज रहे थे।

आऽऽऽ

घुड़चाक

यह साक्षात यम का अवतार है।

उस रहस्यमयी योद्धा का युद्ध देख स्वयं रुमाखिया के राजा थोड़स की आँखें आश्चर्य से फटी रह गईं।

वाह! क्या लड़ाका है। कुछ ही देर में युद्ध का पलड़ा हमारी तरफ कर दिया।

मगर यह है कौन?

जिधर शुक्राल की तलवार चमक उठती उधर ही लाशों के अंबार लग जाते।

स्वयं को विश्वविजेता कहने वाला भी परेशान था।

थोड़स की सेना में बिजली सा फुर्तीला यह वीर योद्धा कौन है...? जिसकी रक्त-पिपासु तलवार खून की नदियां बहा रही है।

सिकन्दर को अपने सवाल का कोई जवाब न मिला तो

चलो सैनिको!

??

वह कोई असाधारण लड़ाका है... जब तक यह रहस्यमयी [illegible] की तरफ से लड़ेगा मेरी जीत ख्वाब ही बनी रहेगी।

WWW.RKOSCANS.CO.NR

आदेश मिलते ही हताहत सैनिक पीछे हटने लगे –

हुर्रे ! एक बार फिर हमने उन्हें मुंह की खिलाई है।

यही तो कमाल है, शुक्राल का पल भर में युद्ध का पलड़ा हमारी तरफ कर दिया।

थोड़ा को अपनी आंखों पर विश्वास न हुआ।

आश्चर्य है सिकन्दर की सेना भाग रही है।

यह सब शुक्राल के कारण हुआ है।

शुक्राल ! हां, कहां है वह महान विजेता?

लेकिन पूरा रणक्षेत्र छानने पर भी शुक्राल का कोई चिन्ह न मिला-

लगता है देवता ने ही उसे हमारी मदद के लिए भेजा था।

सेनापति निकोलस ! शुक्राल ने दूसरी बार हमारे राज्य की रक्षा की है।

अपने पड़ाव पर सिकन्दर क्षुब्ध था-

गुरुदेव... वह वीर योद्धा है। मेरे समान साहसी, हिम्मती। युद्ध-कौशल में किसी भी तरह वह मुझसे उन्नीस नहीं है...!

क्षमा करना... गुरुदेव, मुझे तो शक होता है कि कहीं उसे आप ही ने तो प्रशिक्षण नहीं दिया?

सिकन्दर!

उसी वक्त स्माशिया में –

शुक्राल ने युद्ध में दो बार हमारी सहायता की है... इसलिए हम चाहते हैं महामंत्रीजी, कि उस शुक्राल नाम के विजेता को स्वयं सम्मानित करें।

सम्राट ! हम शुक्राल को अवश्य खोज निकालेंगे।

आखिर मुझे भी तो शुक्राल की खोज है। कम्बख्त अजानक जाने कहां से युद्धक्षेत्र में घुसा चला आता है और हर बार मेरा राजा बनने का ख्वाब मिट्टी में मिल जाता है।

उसी रात सिकन्दर के पड़ाव में –

महामंत्री नार्मेस ! हमने आपसे वादा किया था कि स्माशिया जीत कर आधा राज्य आपको दे देंगे... पर शुक्राल के कारण शायद ऐसा न हो पाए।

महान सिकन्दर ! आप एक बार फिर आक्रमण करें और विश्वास करें इस बार शुक्राल रणभूमि में प्रवेश नहीं कर पायेगा।

रणभेरी फिर बज उठी स्माशिया का रणक्षेत्र घोड़ों की टापों से एक बार फिर गूंज उठा –

तगड़-तगड़ तगड़

दढ़ दढ़

दढ़ दढ़

WWW.RKOSCANS.CO.NR

धरती वीरों के खून से नहाने लगी।

एक भी जिन्दा वापिस न जाने पाए।

सांप

थ्वच

सांप

भयंकर मारकाट के बीच चीखों- पुकार का बाजार गर्म होने लगा।

एक तरफ घोड़सेना के तीर कहर बरसा रहे थे-

दूसरी ओर से सिकन्दर काल का अवतार बना अपनी तलवार की प्यास बुझा रहा था... खून से।

आह!

सांयऽऽऽऽ

आईऽऽऽऽ

अपनी सेना को गाजर-मूली की तरह कटती देख-

क्या शुक्काल आएगा?

चिंतित न होइए सम्राट! वह सच्चा देश भक्त है, अवश्य आएगा!

लेकिन मेरे आदमी उसे रास्ते में ही मौत की नींद सुला देंगे... फिर मुझे समरिया का राजा बनने से कोई नहीं रोक सकेगा।

वह जिसका घोड़सेना को बेसब्री से इंतजार था चल पड़ा था-

शुक्काल-शुक्काल

www.rkoscans.co.nr

उसकी बाह के कांटे सजग हो गए।

वह आ रहा है!

जैसे ही शुक्राल पास आया—

आह!

कूदो!

वह गिर पड़ा है!

फिर शुक्राल मौत के घेरे में था—

तुम्हारी जिंदगी का आखिरी क्षण आ गया है शुक्राल!

टूट पड़ो इस पर। खत्म कर दो!

बड़ा महान योद्धा समझत है स्वयं को!

शुक्राल

पांचों एक साथ टूट पड़े -

Lion Video Library

अब बारी थी शुक्राल की।

सांयssssss

आह !

मल्लन योद्धा के सामने वे लड़के बौने साबित हो रहे थे।

धनाक

स्वच्छाक

आहsss

WWW.RKOSCANS.CO.NR

उसकी चीते की फुर्ती देख शत्रु दंग रह जाते थे-

सांयsss

और पांचवां-

बोल, तुम लोगों को किस ने भेजा है... बोल, वर्ना बहुत भयानक मौत मारूंगा।

पांच में से चार लाश बने पड़े थे।

तभी -

उफ! आत्महत्या करली!

मुझे शीघ्र ही युद्धक्षेत्र में पहुंचना चाहिए। जाने वहां क्या प्रलय मच रही होगी?

उधर रणक्षेत्र में भयानक नरसंहार मचा था।

आज शुक्राल की मदद के बिना हमारी सेना का हौसला डावांडोल हो रहा है।

...भी दो भाले सनसनाते आए...

सांय सांय

और –

रक्क रक्क

अंधा होकर हाथी युद्धक्षेत्र में पगलाए सांड की भांति पीछे भागा।

उफ़! यह तो अपनी ही सेना को कुचल रहा है।

सम्राट! अपने गजराज को संभालो।

क्रोध से पागल हाथी ने घोड़सवार को सूंड में लपेट लिया

गजराज... होश में आओ!

सत्यानाश कर दो गजराज को!

सत्यराज सतर्क में है!

आहSSSS

WWW.RKOSCANS.CO.NR

गजराज ने घोड़ा को भी जमीन पर पटका...और

आह sssss...

...हलक से निकलने वाली वह उनके जीवन की आखिरी चीख थी।

हर्ष की लहर दौड़ गई सिकन्दर की फौज में –

हम जीत गये!

सिकन्दर महान... जिन्दाबाद!

विजेता सेना वापस लौट चली।

जब रणभूमि में पुरुवास पहुंचा तो लाशों का बाजार देख क्रोध से गरज उठा –

नहीं सिकन्दर...तुझे इन सबकी मौत का बदला चुकाना होगा।

तीन दिन पश्चात...

क्या बात है पारमेनिस! आज हम तुम्हें वादे के मुताबिक आधे राज्य का वारिस बनाने वाले हैं और तुम उदास हो?

सिकन्दर! मेरा पुत्र तीन दिन से लापता है उसका कहीं कोई पता नहीं चला।

हम तुम्हारे पुत्र को ढूंढने में अपने आदमी चारों दिशाओं में फैला देंगे। पर तुम आज के दिन उदास मत रहो।

उसी दिन रुमाड़िया के दुर्ग पर हमला किया शुक्राल ने —

नाम सुनते ही सैनिकों के दिलों पर घाड़-घाड़ हथौड़े से पड़ने लगे।

क्या शुक्राल?

अपनी जान बचाना चाहते हो तो भाग लो!

शुक्राल आ गया?

...बर —

...जी ...रहा है। ...है बाहर?

शुक्राल!

आह!

उन्हें बेचारों को भागने का मौका तक न मिला क्योंकि —

धड़ाक

धड़ाम

हाय!

WWW.RKOSCANS.CO.NR

सैनिकों को चौंधता शुक्राल आगे बढ़ा जा रहा था।

जंगल की आग की भांति फैलती खबर सिकन्दर के कानों तक पहुंची।

क्या कह रहे हो ओडिना?

महामहिम यही सच है।

सुनो! इस वक्त हम मंत्री बार्सोस का राज्याभिषेक कर रहे हैं... तुम थोड़ी देर के लिए उसे वहीं रोको। फिर हम आते हैं।

जो आज्ञा महामहिम!

ओडिना अस्त्र-शस्त्रों से लैस एक फौजी टुकड़ी लेकर चल दिया --

...ीघ्र ही उन्होंने शुक्राल को घेर लिया —

शुक्राल ! स्वयं को हमारे हवाले कर दो वर्ना, बेमौत मारे जाओगे।

ओडिनो ! शुक्राल उस तूफान का नाम है जिसका रास्ता तेरे जैसे मच्छर नहीं रोक सकते। हट जा मेरे रास्ते से।

Payel Video Librar
8-67, Mansarover Park
Shahdara, Delhi - 32

हमला!

www.rkoscans.co.nr

सैनिकों ने एक साथ हमला किया।

कमान पर कई तीर चढ़ाकर घोड़े सुकाल ने–

शत्रु के हथियार वक्ते में ही शहीद होते गए।

कड़ाक

तड़ाक

फिर सुकाल ने छोड़ दी हाथियों की नसें।

जाओ मजराजो, और दुश्मनों में तबाही का तांडव मचा दो।

इसों हाथियों का कहर टूट पड़ा।

आह!

चिंघाड़

बचाओ!

चिंघाड़

www.rkoscans.co.nr

...धों की प्रलय और शुक्राल के मौत बरसाते तीरों से शत्रु सेना त्राहि-त्राहि कर उठी।

आह!

हाय!

साथियो! सत्य का उलो इन सूनी गुफाओं की ओर...

...मैं शुक्राल को देखता हूं।

...फ से निकले पत्थर हाथियों के मस्तक से टकराने लगे। उनकी चिंघाड़ों से सारा रम्भारिया गूंज उठा।

धड़ाक धाड़

चीईईईई

...के सामने था ओडिनो।

सांय

कूर ओडिनो ने शुक्राल के साथी को शिकार बनाया।

चिंघाड़

अरुच

साथी के मरते ही शुक्राल तलवार, ढाल लेकर कूद पड़ा।

उसके कूदते ही सारे सैनिक उस पर मधुमक्खियों की भांति झपटे।

WWW.RKOSCANS.CO.NR

अपने काल का महायोद्धा बीसियों राजु पर भारी पड़ रहा था —

सून-सन्नाटा मचाता वह ओडिनो के पास पहुंचा।

ओडिनो!

ओह!

शुक्राल या विक्राल कब देख ओडिनो के साथियों में दहशत फैल गई।

भागो!

यह तो बहुत शक्तिशाली है!

पर भागना उनके नसीब में न था।

धड़ाक

ओह!

हाय मर गया

उसी पल भयंकर गर्जना करता ओडिनो शुक्राल पर झपटा।

शुक्राल

गजब की फुर्ती से ओडिनो का भयंकर वार रोका शुक्राल ने—

धाक

WWW.RKOSCANS.CO.NR

ओडिनो को लगा कि वह क्यामत
बड़ बला है।

सुंसार लड़ाका है
तो, मेरी तलवार
के जिस्म को
भी नहीं पा
ी।

ठक

फिर किया शुक्राल ने
एक प्रचण्ड वार –

ठक

अगले वार में ओडिनो की
गर्दन हवा में नाच उठी।

ठक

च्यवचाक्

...याविया के राजमहल में वार्तालाप की तजपोशी की जा रही थी।

...सम्राट-पद
...स्वयं
...को कमलों
...भी वार्तालाप
...याविया
...का राजा
...ने कहे

...ेहल में एक कोलाहल सा
...।

ठहरो
सिकन्दर!

कौन है
जो हमारे काय
में बाधा उत्पन्न
करना चाहता
है?

चौंक ही पड़ा सिकन्दर।

उपस्थित जनों के दिलों की धड़कनें बढ़ गईं।

शुक्राल!

मैं हूं सिकन्दर शुक्राल! अगर स्वयं को सच्चा वीर योद्धा समझते हो तो आओ और मेरा मुकाबला करो। मैं तुम्हें चुनौती देता हूं।

सिकन्दर के नथुने क्रोध की अधिकता से फूलने पिचकने लगे।

हमें तुम्हारी चुनौती स्वीकार है शुक्राल!

... बाजुएं चुनौती का सामना करने के लिए फड़फड़ा उठीं।

नहीं, सिकन्दर! तुम उससे युद्ध मत करो!

गुरुदेव! मैं आपका सम्मान करता हूं... लेकिन कृपया मुझे आज न रोकें... मैं भी देखना चाहता...

है कि आखिर शुक्राल की बाजुओं में कितना दम है।

अपने काल के दो महायोद्धा सूनी नजरों से एक-दूसरे को निहार रहे थे।

शुक्राल! आज हम बहुत खुश हैं; क्यों-कि आज हमें अपनी टक्कर का कोई आदमी मिला है।

और मुझे इस बात की
है कि मेरी तलवार आज
विश्वविजेता बनने वा
रक्त पिएगी जो अबि
न जाने कितनी खून
नदियां बहाने वाला

सावधान सिकन्दर!

चीते की सी फुर्ती से झुका सिकन्दर -

उफ!

धड़ाम

दोनों की तलवारें बिजली की भांति चमक रही थीं।

सभी युद्ध को लोग आश्चर्य से आंखें फाड़े देख रहे थे -

हे भगवन, शुक्राल की मदद करना!

www.rkoscans.co.nr

इधर गुरुदेव की आंखों में चिन्ता का सागर था।

इन दोनों योद्धाओं का खूनी टकराव अब सिर्फ हेलेना ही रोक सकती है।

गुरुदेव हेलेना के कक्ष की तरफ चल पड़े।

हेलेना सिकन्दर की प्रेयसी सुनते ही चीख उठी–

क्या? नहीं यह सब नहीं हो सकता!

हेलेना इस को सिर्फ तुम्ही सकती हो। जल्दी वर्ना दोनों में से मारा जाएगा

जंग के मैदान में लहुलुहान होने पर भी दोनों एक-दूसरे को लोहा ले रहे थे–

शुक्राल, रुक जाओ!

धड़

जहां का तहां जड़ होकर रह गया शुक्राल!

www.rkoscans.co.nr

शुक्राल ! रुक जाओ। एक अभागिन तुमसे अपने सुहाग की भिक्षा मांगती है।

शुक्राल के पांवों से लिपट गई है ना।

फौलादी बदन में धड़कता मोम का सा दिल अबला की पुकार से पिघल गया –

उठो सिकन्दर !

शुक्राल, सही मायने में तुम एक सच्चे शूरवीर हो, पर हमें जिंदगी खैरात में नहीं चाहिए मांगो हम से दुनिया जहान की जो चाहे चीज मांग लो।

तो फिर तुम मेरे सुपुर्द उस शख्स को कर दो जिसकी मदद से तुमने समा-रिया राज्य जीता है।

क्या?

शुक्राल ! तुम ...ने योद्धा ही एक अभागिन ...ने के बजाय तुम एक शत्रु पर ...वी कर सकते?

...ने अपने देश में ...गद्दार का खून ...को पिलाऊंगा, ...ने धधकती क्रोधा-

तो सुनो, हमें तुम्हारे ही देश के जिस गद्दार ने मदद दी उसका नाम है महामंत्री गार्गेस।

WWW.RKDIGEST.COM

सुनते ही शुक्राल के कंठ से चीख सी निकल गई—

नहीं... कह दो यह झूठ है?

यह सत्य है शुक्राल!

फिर शुक्राल को बार्गोस के षड्यन्त्र की सारी बात बता दी

उफ! बार्गोस तूने देश और

निवासियों के साथ विश्वास

किया।

?

बार्गोस को शुक्राल को सौंप दो।

मृत्यु ही बार्गोस अपनी मौत के सामने था।

न... नहीं शुक्राल म... मुझे माफ कर दो...!

नीच, पापी तू रहम के काबिल नहीं है।

एक ही वार में बार्गोस की आत्मा शरीर का साथ छोड़ गई।

खच्च

फिर शुक्राल ने तलवार का रुख अपनी तरफ किया।

और—

आ

WWW.RKOSONS.CO.NR

...जैसे थम सी गई अचानक।

शुक्काल! यह क्या किया तुमने मित्र...?

...सिकन्दर में शुक्काल के रूप में इसी मंत्री चाणक्य का पुत्र हूं।

...?

हां, मैंने ही शुक्काल का छद्म वेष धर कर अपने देश को बचाया, पर स्वयं मेरा पिता ही देश का गद्दार निकला...। मैंने उस गद्दार को सजा दे दी है।...

...और अब मैं एक गद्दार बाप का देश-भक्त बेटा कहला कर जीना नहीं चाहता... मौत... ही... मेरे... लिए सही... रास्ता... है आ... आह!

फिर शुक्काल की आत्मा परमात्मा में मिल गई।

नहीं... शुक्काल!

WWW.RKOSCANS.CO.NR

समारिया की धरती के उस सपूत के सम्मान में विश्व विजेता भी नत-मस्तक हो गया।

शुक्राल! आज तुमने विश्व-विजेता को भी जीत लिया।

एक तरफ जहां गद्दार बाप की लाश चील कौवों का आहार बन रही थी–

आज से समारिया राज्य को हम स्वतंत्र करते हैं और भविष्य में भी हम इस राज्य की रक्षा का वचन देते हैं... यही हमारी शुक्राल के प्रति सच्ची श्रद्धा होगी।

दूसरी तरफ शुक्राल प्रतिमा पर समारिया वासियों की श्रद्धा फूलों के रूप में बरस रही थी।

महाबली शुक्राल!

अमर रहें!

WWW.RKOSCANS.CO.NR

Raj comics Fans Nation
Come lets keep our Junoon alive!
RFN
BRINGING BACK THE JUNOON

इतना बता कर प्रोफेसर राणा शांत स्वर में बोले–

शुक्राल! यह थी तुम्हारे एक जन्म की रोमांचकारी दास्तान।

प्रोफेसर राणा... राय मानो तो मुझे अभी भी विश्वास नहीं आया कि मैं वही शुक्राल हूं।

तभी–

पापा... पुलिस... पुलिस सारे शहर में शुक्राल नाम के एक सूनी दाढ़ी को ढूंढ़ रही है।

भड़ाक

अचानक उसके होंठों पर ताले पड़ गए।

अरे... वा... शुक्राल... हत्यारा... सूनी तो यहां बैठा है?

यह मेरी पुत्री है साविका...

A RATED RKO SCAN

खबरदार लड़की! जरा भी चिल्लाई तो गर्दन रेत दूंगा।

प...प...पापा!

शुक्राल, छोड़ दो इसे। इसको तुम कत्ल नहीं कर सकते।

क्यों... क्यों नहीं कर सकता...?

क्योंकि यह एक जन्म में तुम्हारी प्रेमिका थी, ऐसी प्रेमिका जिसके लिए तुमने शक्तिशाली मानव समाट के विरुद्ध ऐलाने जंग कर दिया था।

मुझे उस सूनी जंग के बारे में नहीं बताओगे प्रो० राणा?

बताऊंगा। इसे छोड़ दो।

RATED RKO SCAN

WWW.RKOSCANS.CO.NR

मुद्रक: जापान आर्ट प्रेस

Patel Video Library
H-67, Shivaji Nagar, Uttam Nagar
Near Metro Station, Delhi-59

ग्रेट गनमास्टर हुड से टकराने पहुंच गया नागराज जर्मनी। जहां उसे इच्छाधारी सांपों ने नाकों चने चबवा दिये। नागराज के आश्चर्य की सीमा ना रही, तब जबकि उन सांपों का ट्रेनर उसके सामने आ खड़ा हुआ।

इस विशेषांक के साथ नागराज का एक स्केल मुफ्त।

नागराज और नागदंत के भयानक टकराव का राज कॉमिक्स विशेषांक

फिर आया नागदंत